गोपनन्दन वलरिपुनुतपद

रागम्ः भूषावलि   ताळम्ः आदि

(श्री स्वाति तिरुनाळ् विरचित)

पल्लवि

गोपनन्दन वलरिपुनुतपद सारस मारमण पाहि

अनुपल्लवि

तापसगेयकीर्त्ते भावतापविमोचनमूर्त्ते
दिव्यहेममकुटादिविराजित पद्मनाभ मधुसूदन जय जय

चरणम्

पातफाल्गुन हरे करिपरमगमामरपालनरुचिपद

सामजाधिप भयहर पटुचरित

पीतवसनविलसित मृगमद वातनन्दन लाळितपदयुग
नीतिसागर यदुकुलवर भवखेदनाशन नवजलधरसम ॥ १ ॥

पापनीरदपवन सदयनिगमाभ्युत मामव शारद

सारसायतसुदळ नयनयुगळ

रूपनिन्दित मनसिज मृदुहस गोपपालक नूतनचारु क-
लापराजित पालय विधुकुलदीप गतमद मानसमोहन ॥ २ ॥

नीरजोपमसुवदन विहगगमाखिलनायक मामव

सारसोद्भवसन्नुत शिशुविधुनिटिल

नीरदोपम विलसितकुचभर घोररिपुजनविदळनपटुतम
क्षीरसागरसुशयन कौस्तुभहारशोभित शेषपुरालय ॥ ३ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇